न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर०ए०एस०)

वाद सं० : 807 सन 2020

अनवान :–

1. सत्यवीर पुत्र सुरजाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी मलवानी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. सुरजाराम पुत्र नानुराम जाति ब्रहाम्ण निवासी मलवानी तहसील नोहर ।
2. प्रेमलता पुत्री सुरजाराम पत्नि पुश्षोतम जाति ब्रहाम्ण निवासी गिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
3. लीलावती पुत्री सुरजाराम पत्नि राजेन्द्र कुमार जाति ब्रहाम्ण निवासी गिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
4. इन्द्रवती पुत्री सुरजाराम पत्नी कृष्ण कुमार जाति ब्रहाम्ण निवासी गिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
5. रान्दीप कुमार पुत्र सुरजाराम जाति ब्रहाम्ण निवासी मलवानी तहसील नोहर।
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री रविन्द्र कुमार गोदारा अधिवक्ता वादी

पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 02/12/2020

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619/516 की कुल 10.5420है वाद की मद संख्या 2 के अनुसार भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के देहान्त होने पर वाद विरास्तन से वाद भूमि उनके पुत्र प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी के पिता है के नाम से दर्ज है वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के देहान्त होने के बाद विरास्तन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 1 वादी का पिता है जो काफी वृद्व हो चुका है ने एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिन्होने आपसी सहमति से बाहमी बटवारा कर लिया है उसी के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तबा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ने निवेदन किया की उसके नाम से दर्ज भूमि उसके पिता नानुराम पुत्र मामराज के

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

देहान्त होने पर विरासतन से प्राप्त हुई है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 का बराबर का हक हिस्सा है तथा प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि को अपने भाई/पुत्रों वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के नाम से बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 6 पेरोकार राज ने जवाब पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जवाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619/516 की कुल 10.5420है वाद की गद संख्या 2 के अनुसार भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के देहान्त होने पर वाद विरासतन से वाद भूमि उनके पुत्र प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज हुई।

वाद भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी के पिता है के नाम से दर्ज है वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के देहान्त होने के बाद विरासतन से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है जिसके कारण पैतृक सम्पति है जिसमें वादी एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 5 का प्रतिवादी संख्या 1 के साथ बराबर का हक हिस्सा है।

प्रतिवादी संख्या 1 वादी का पिता है जो काफी वृद्व हो चुका है ने एवं प्रतिवादी संख्या 2 ता 4 वादी की बहने है एवं प्रतिवादी संख्या 1 की पुत्री है ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिन्होने आपसी सहमति से बाहमी बटवारा कर लिया है उसी के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619/516 की कुल 10.5420है वाद की गद संख्या 2 के अनुसार भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

जमाबन्दी सम्वत 2001 व पर्चा खतौनी के अनुसार वाद भूमि नानुराम पुत्र मामराज के नाम से दर्ज थी अर्थात वाद भूमि पूर्व में वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के नाम से दर्ज है वादी के दादा नानुराम पुत्र मामराज के देहान्त होने के बाद विरासतन से वाद भूमि वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई है विरासतन से भूमि वादी के पिता के नाम से दर्ज होने के कारण पैतृक सम्पति होना साबित है। हिन्दु उतराधिकार अधिनियम की धारा 6 ,8 के अनुसार पैतृक सम्पति में वादी का हक हिस्सा है

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

अर्थात दादा की सम्पति में पौते/पौतियों को बराबर का हक हिस्सा होगा। अर्थात वाद भूमि में वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 के हक हिस्सा की भूमि है

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 5 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चस्पा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प ड्यूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एव वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619/516 की कुल 10.542हैक्व भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर प0न0 323/352(54) के किला न0 16 ता 25/2.530हैक्व व प0न0 324/352(55) के किला न0 11 ता 14/1.012हैक्व , 17/2 की 0.0630 ,17/3 की 0.0380हैक्व , 18/2 की 0.1520 ,19/2 की 0.240 ,20/0.2530 ,21/2 की 0.0700 ,21/3 की 0.0630 ,22/2 की 0.1120 ,23/2 की 0.1900 ,24/0.2530 ,प0न.0 324/353(96) किला न0 1 ता 3/0.7590हैक्व 8 ,9/0.5060हैक्व कुल 29 किला की 6.241हैक्व भूमि वादी के नाम दर्ज की जावे एवं रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619/516 के प0न0 322/352(53) किला न0 25/0.2530 ,प0न0 324/353(96) किला न0 10 ता 13/1.012हैक्व प0न0 323/353(97) किला न0 1 ता 10/2.530हैक्व , प0न0 322/353(98)के किला न0. 5 ,6/0.506हैक्व कुल किता 17 की कुल 4.301हैक्व भूमि प्रतिवादी संख्या 5 के नाम दर्ज की जावे। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/- रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 02/12/2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ़)

Scanned with CamScanner

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. सत्यवीर पुत्र सुरजाराम जाति ब्रहामण निवासी मलवानी तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. सुरजाराम पुत्र नानुराम जाति ब्रहामण निवासी मलवानी तहसील नोहर ।
2. प्रेमलता पुत्री सुरजाराम पत्नि पुरुषोतम जाति ब्रहामण निवासी मिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
3. लीलावती पुत्री सुरजाराम पत्नि राजेन्द्र कुमार जाति ब्रहामण निवासी मिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
4. इन्द्रवती पुत्री सुरजाराम पत्नी कृष्ण कुमार जाति ब्रहामण निवासी मिगोरानी तहसील नाथुसरी चौपटा
5. सन्दीप कुमार पुत्र सुरजाराम जाति ब्रहामण निवासी मलवानी तहसील नोहर।
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 807 सन 2020 निर्णय दिनांक– 02/12/2020

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के रामक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे / निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर घोषणा की जाती है कि रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619 / 516 की कुल 10.542हैक्व भूमि जो प्रतिवादी संख्या 1 के नाम से दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर प0न0 323 / 352(54) के किला न0 16 ता 25 / 2.530हैक व प0न0 324 / 352(55) के किला न0 11 ता 14 / 1.012हैक , 17 / 2 की 0.0630 ,17 / 3 की 0.0380हैक , 18 / 2 की 0.1520 ,19 / 2 की 0.240 ,20 / 0.2530 ,21 / 2 की 0.0700 ,21 / 3 की 0.0630 ,22 / 2 की 0.1120 ,23 / 2 की 0.1900 ,24 / 0.2530 ,प0न0 324 / 353(96) किला न0 1 ता 3 / 0.7590हैक 8 ,9 / 0.5060हैक कुल 29 किला की 6.241हैक भूमि वादी के नाम दर्ज की जावे एवं रोही मौजा चक 3 बारानी के खाता संख्या 619 / 516 के प0न0 322 / 352(53) किला न0 25 / 0.2530 ,प0न0 324 / 353(96) किला न0 10 ता 13 / 1.012हैक प0न0 323 / 353(97) किला न0 1 ता 10 / 2.530हैक , प0न0 322 / 353(98)के किला न0. 5 ,6 / 0.506हैक कुल किता 17 की कुल 4.301हैक भूमि प्रतिवादी संख्या 5 के नाम दर्ज की जावे। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000 / – रु का स्टाम्प टाकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो वाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 02/12/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner